

प्रपत्र,

डा० हेमलता डीडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

रोजा में

निदेशक,
उद्योग
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 07 नवम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग विभाग के आयोजनागत पक्ष के औद्योगिक मेले-प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमीनार व प्रचार योजनान्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2421/उ०नि०/वाजट-08/06/न०70/2007-08 दिनांक 4 अक्टूबर 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग विभाग के 00-आयोजनागत पक्ष के 04-औद्योगिक मेले-प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमीनार व प्रचार में शासनादेश संख्या 4067/VII-2/98-उद्योग/2006 दिनांक 13 अगस्त, 2007 द्वारा आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि के अतिरिक्त ₹0 85,00,000/- (₹0 पच्चासी लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि जब एन्टी मदी में किया जाने जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में नितायमता वित्त आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अर्देशों या कर्तव्यों से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आश्चर्य कि ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिससे व्यय करने पर वजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2008 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वार्न्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2008 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- इस मद में वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु पूर्व स्वीकृत धनराशि का उपयोग होने पर प्रशासनिक विभाग से स्वीकृति प्राप्त के उपरान्त ही धनराशि व्यय की जायेगी।

5- उक्त मद में व्यय वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश में इंगित अनुपात में आने वाले केवल अपने अधिष्ठान के कार्मिकों को शासन द्वारा अनुमोदित दरों पर ही दिया जायेगा।

शासनादेश की शर्तों का अनुपालन न करने का समस्त दायित्व विभागाध्यक्ष एवं संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी का ही माना जाएगा।

6- उपरोक्त धनराशि आपकों निस्वातंत्र्य पर इस आशय से रखी जा रही है कि धनराशि का उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्त शिल्प विकास परिषद के पास न आवश्यक व्ययों की पूर्ति हेतु आहरण एवं भुगतान किया जाएगा।

7- रवीकृत की जा रही धनराशि सख्त आवश्यकता ही आहरण की जाएगी।

8- सख्त व्यय धालू विलीफ वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 800-अन्य व्यय, 04-औद्योगिक मेले-प्रदर्शनी, गोष्ठी, संमेलन व प्रचार, 20-साहायक अनुदान/असमान/राज सहायता मद के नामे खाला जाएगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 810/XXXVIII(2)97 दिनांक 02 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भास्वीदा

(डा० हेमलता चौधरीवाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 5793(1)/VII-2/98-उद्योग/2006, तद्विनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त तहसील औद्योगिकारी/शोषणिकारी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त सदरमाल गन्धल/कुमाऊ गण्डक, पौड़ी/नैनीताल।
6. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एमआईसी, सचिवालय परितः, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. सॉर्ट-फाईल।

आज्ञा हेतु

(डा० हेमलता चौधरीवाल)
अपर सचिव।